Literacy for a Billion

Movie: Paying Guest
Year: 1957

Song: Chand Phir Nikla
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

चाँद फिर निकला मगर तुम न आये
जला फिर मेरा दिल करू क्या मैं हाय
चाँद फिर निकला
जला फिर मेरा दिल करूँ क्या मैं हाय
चाँद फिर निकला

ये रात कहती है वो दिन गए तेरे
ये जानता है दिल के तुम नहीं मेरे
ये रात कहती है वो दिन गए तेरे
ये जानता है दिल के तुम नहीं मेरे
खड़ी हूँ मैं फिर भी निगाहें बिछाये
मैं क्या करूँ हाय कि तुम याद आए

चाँद फिर निकला मगर तुम न आये
जला फिर मेरा दिल करूँ क्या मैं हाय

सुलगते सीने से धुआँ सा उठता हैं
लो अब चले आओ के दम घुटता है
सुलगते सीने से धुआँ सा उठता हैं
लो अब चले आओ के दम घुटता है
जला गये तन को बहारों के साये
मैं क्या करूँ हाय के तुम याद आए
चाँद फिर निकला मगर तुम न आये
जला फिर मेरा दिल करूँ क्या मैं हाय

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*